जी - 20 सम्मेलन में 'उबन्टू' गायब

हाल ही में जोहान्सबर्ग में जी-20 नेताओं का सम्मेलन हुआ है। सम्मेलन की कुछ खास बातें -

- जी-20 का सम्मेलन पहली बार किसी अफ्रीकी देश में हुआ है। ज्ञातव्य हो कि 2023 में भारत ने जी-20 की अपनी अध्यक्षता के दौरान ही अफ्रीकी यूनियन को इसका सदस्य बनाया था।

- नतीजतन, सम्मेलन की बातचीत और घोषणा 'ग्लोबल साउथ' की भावना से ओत-प्रोत लग रही थी।

- दुनिया में बढ़ते झगड़े, बढ़ती असमानता और बढ़ती आर्थिक अनिश्चितता को मुद्दा बनाया गया। खास तौर पर, सूडान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, फिलिस्तीन और यूक्रेन में न्यायसंगत, व्यापक और स्थायी शांति की मांग की गई।

- प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक विकास के मानदंडों पर पुनर्विचार करने पर जोर देते हुए अन्य छह पहलों पर भारत के नेतृत्व की चर्चा की। इन पहलों में स्वास्थ्य, आतंकवाद, खेती, मछली पकड़ने, कौशल विकास पहल (भारत ने अफ्रीका में दस लाख लोगों को प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव रखा है) और ट्रेडीशनल नॉलेज रिपॉजिटरी शामिल हैं।

- इस सम्मेलन में अमेरिका शामिल नहीं हुआ था। अमेरिका ने अफ्रीका पर 'श्वेत किसानों' के साथ भेदभाव का आरोप लगाया है, और इसी पक्ष पर दोनों के बीच तनाव चल रहा है।

- इस वर्ष के घोषणापत्र में 'उबन्टू' यानि 'मैं हूं क्योंकि हम हैं' की भावना की बात कही गई थी। लेकिन अमेरिका के अलगाव ने इस पर प्रश्नचिन्ह खड़े कर दिए हैं।

'द हिंदू' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित। 25 नवंबर, 2025